

प्रेषक,

शैलेश बगौली,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
उद्योग विभाग,
उद्योग निदेशालय,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

औद्योगिक विकास अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक 4 अक्टूबर, 2016

विषय: राजकीय मुद्रणालय, रुड़की के औद्योगिक भवन की टूटी बाउन्ड्रीवाल की मरम्मत/पुनर्निर्माण संबंधी आगणन ₹ 25.51 लाख स्वीकृति विषयक।

महोदय,

उपरोक्त विषयक अपर निदेशक, राजकीय मुद्रणालय, उत्तराखण्ड रुड़की के पत्र संख्या-2881/भण्डार/दीवार मरम्मत/2016-17 दिनांक 15 सितम्बर, 2016 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राजकीय मुद्रणालय, रुड़की के औद्योगिक भवन की टूटी बाउन्ड्रीवाल की मरम्मत/पुनर्निर्माण हेतु लोक निर्माण विभाग, रुड़की द्वारा गठित आगणन की धनराशि में टी०ए०सी० लोक निर्माण विभाग द्वारा औचित्यपूर्ण पायी गयी धनराशि ₹ 25.51 लाख की श्री राज्यपाल महोदय प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान करते हुए शासनादेश संख्या-667/VII-1/03-बजट/रा०मु०/2016 दिनांक 12 मई, 2016 एवं शासनादेश संख्या-1347/VII-1/03-बजट/रा०मु०/2016 दिनांक 22 अगस्त, 2016 द्वारा आयोजनेत्तर पक्ष के लेखाशीर्षक-2058-लेखन सामग्री तथा मुद्रण-00-001-निदेशन एवं प्रशासन-03-राजकीय मुद्रणालय, रुड़की अधिष्ठान योजना के मानक मद 25-लघु निर्माण कार्य में अवमुक्त कुल धनराशि ₹ 30.00 लाख के अन्तर्गत वहन करने की स्वीकृति निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान की जाती हैं :-

- (1) कार्य करने से पूर्व मदवार दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियंता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरें शेड्यूल ऑफ रेटस में स्वीकृत नहीं हैं, अथवा बाजार भाव से ली गयी हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियंता/सक्षम अधिकारी से अनुमोदित करना आवश्यक होगा।
- (2) कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र पर सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
- (3) बजट मैनुअल में निर्धारित प्रक्रिया के अधीन कोषागार द्वारा प्रमाणित बाउचर संख्या एवं दिनांक के आधार पर अंकित बजट की सीमा में प्रतिमाह 5 तारीख तक प्रपत्र बी०एम० 8 पर विभागाध्यक्ष द्वारा सूचना वित्त विभाग को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायी जाय।
- (4) धनराशि को व्यय किये जाने से पूर्व जहाँ कहीं आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा शासन द्वारा समय-समय पर जारी किये गये मितव्ययता संबंधी निर्देशों का पालन अवश्य किया जाय।
- (5) कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितनी धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाए।
- (6) कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लो०नि०वि० द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
- (7) निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाय तथा उपयुक्त सामग्री ही प्रयोग में लायी जाय।
- (8) आगणन में प्राविधानित डिजाइन एवं मात्राओं हेतु संबंधित अधिशासी अभियंता एवं अधीक्षण अभियंता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- (9) शासनादेश संख्या-2047/XIV-219(2006)/दिनांक 30.05.2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।

- (10) कार्य प्रारम्भ कराने से पूर्व Uttarakhand Procurement Rules, 2008 तथा संशोधित नियमावली 2015 का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।
- (11) अवमुक्त की गयी धनराशि को दिनांक 31.03.2017 तक उपयोग कर उपयोगिता प्रमाण-पत्र, भौतिक एवं वित्तीय प्रगति शासन को उपलब्ध कराई जायेगी।

भवदीय,

(शैलेश बगौली)
सचिव

संख्या: 1509 (1) /VII-1/ 2016 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड देहरादून।
2. निदेशक, राजकीय मुद्रणालय, रुड़की हरिद्वार।
3. अपर निदेशक, राजकीय मुद्रणालय, रुड़की हरिद्वार।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
5. अधीक्षण अभियन्ता, सिविल वृत्त, लोक निर्माण विभाग, हरिद्वार।
6. बजट राजकोषीय नियोजन तथा संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड, देहरादून।
7. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
8. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(राजेन्द्र सिंह पतियाल)
उप सचिव